

■ सुर्खियों में संजय गांधी अस्पताल ■

सरकार की गाइडलाइन नहीं मानता संजय गांधी अस्पताल



जन एक्सप्रेस। बी. पी. तिवारी

अमेठी। जनपद की तहसील अमेठी मुश्हेंगंज कस्बे के पास सराय खेमा गांव की 64 बीघा 18 विथा 7 घर यानी 40 एकड़ सरकारी जमीन वर्ष 1981 में संजय गांधी मेडिकल ट्रस्ट को मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए 30 साल के लिए लोज पर दी गई थी। जमीन का वार्षिक किया दी गई 623 रुपए तय हुआ था। हालांकि बाद में राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट ने मेडिकल कॉलेज के नाम ली गई इस जमीन पर संजय गांधी अस्पताल खोल दिया राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट की यह कमी बीच-बीच में न सिर्फ अस्पताल प्रशासन बल्कि गांधी परिवार व कांग्रेस पार्टी के लिए मुसीबत का सबक भी रहती है। 11 मार्च को कलेक्टरटे सभाराय में आयोजित दिशा की बैठक में सूनि ईरानी ने इस मामले को लेकर सीमियों समेत अन्य अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा था कि जो जमीन मेडिकल कॉलेज के लिए ली गई थी उस पर मेडिकल कॉलेज क्यों नहीं बना। उहोने कहा कि सरकार लोगों को सुविधा मुहूर्त करने के लिए। जा कि राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट को फारदा पहुंचाने के लिए। सांसद ने यहां तक कहा कि सरकारी जमीन पर बने गेस्ट हाउस का उपयोग कांग्रेस नेता सिर्फ अपने लिए करते हैं। और वह गलत है। सूनि ने समियों को पूरे मामले की गहराई से पहलाकर करते हुए यहीन का उपयोग मेडिकल कॉलेज के लिए सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। डीएम से भी यह कहा था कि इस मामले को अपनी निगरानी में निपटा। तब से प्रशासन अस्पताल की कंडली खंगालने में जुटा है। राजस्व विभाग के अफसर जहां संजय गांधी अस्पताल की जमीन व उससे जुड़े कागजात की नई फाइल तैयार करने में जुटे हैं। स्वास्थ्य महक में उन

नियमों को ट्रेस आइट करने में जुटा है, जिसके तहत ट्रस्ट को इस बात के लिए विवेश किया जा सके कि वह अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का लिए आपत्ति जमीन पर मेडिकल कॉलेज क्यों नहीं बना? इसकी जांच की जा रही है। जो भी कमी मिली तो सांसेस को निलंबित करने के सामान में बरुण गांधी ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखा है। वरुण गांधी का पत्र लगभग दो दिन तक रूप दे। मेडिकल कॉलेज के लिए आपत्ति जमीन पर मेडिकल कॉलेज क्यों नहीं बना?

लाइसेंस को निलंबित करने के सामान में बरुण गांधी ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखा है। वरुण गांधी का पत्र लगभग दो दिन तक रूप दे। मेडिकल कॉलेज के लिए आपत्ति जमीन पर मेडिकल कॉलेज क्यों नहीं बना?

जन एक्सप्रेस। राजेश पाल

पितृपक्ष में जब न कर पाएं श्राद्ध तो पितरों को मनाने के लिए करें उपाय

* पितृपक्ष में यदि किसी कारणवश पितरों के नियमित किया जाने वाला श्राद्ध तर्पण और पिंडदान न संभव हो पाए पड़ते हैं तो विशेषकर तिवारी ने बताए उपाय करने से होता है पितरों का आशीर्वाद प्राप्त

जन एक्सप्रेस। राजेश पाल

बाजार शुल्क, अमेठी। बिंदु धर्म में पितरों की मुक्ति और उनके आशीर्वाद को पाने के लिए पितृपक्ष को उत्तम माना गया है। मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान पितरों के लिए विशेषकर तिवारी ने बताए उपाय करने से होता है पितरों का आशीर्वाद प्राप्त

ईश्वरीय कृपा भी नहीं प्राप्त होती है। यही कारण है कि पितृपक्ष आते ही लोग अपने घर के दिवाल लोगों के लिए आश्रु-तत्त्व आदि की तैयारी करना शुरू कर देते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति किसी कारणवश अपने पितरों का विशेष-विधान से श्राद्ध न कर पाए तो उसे उनकी नाराजगी का डर सताने लगता है। आश्रु जाते हैं कि जब परपरगत तरीके से पितरों का श्राद्ध न कर पाए तो उन्हें मनाने और प्रसाद करने के लिए क्या उपाय करना चाहिए।



ब्राह्मण का भोजन कराएं

यदि आप किसी कारणवश पितृपक्ष के दौरान लिखि विशेष प्राप्त अपने पितरों का श्राद्ध तर्पण या पिंडदान नहीं कर पाए हैं तो आप बिंदुल भी प्रेशन न हों और पितृपक्ष के अंत में पढ़ने वाली संधि पूर्ति अमावस्या के दिन किसी योग्य कर्माणी ब्राह्मण को आदरपूर्वक अपने घर में बुलाकर भोजन कराएं भूगतन के बाद ब्राह्मण को अपनी क्षमता के अनुसार ब्राह्मण वर्षा आदि जो संभव हो दान करें लेकिन ऐसा करते समय भूलकर भी किए जाने वाले दान का अभिमान न करें।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तीन से इकतीस तक

जन एक्सप्रेस। अमेठी



जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने शुक्रवार को कलेक्टरटे सभागार में 03 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 16 से 31 अक्टूबर के मध्य दस्तक अभियान को लेकर द्वितीय अंतर्विधायी समन्वय समिति की बैठक उपरान्त लगातार होती रही। 2012 में इस भूमि की लीज इस शार पर बढ़ा दी गई एक अवार्ड के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड़ा एक अस्पताल, पैरेंडिकल कॉलेज को संजो से जुड़े दो कॉलेज के लिए विवाद शुरू होने से पहले गेट हाउस में गांधी परिवार और उससे जुड़े लोग अमेठी प्रवास के दौरान रुपैयों के लिए इंटरव्यू के दौरान पूर्व एमएलटी दीपक सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला और भी गम हो गया है। एक निजी चैनल को दूषित करने के बाद जमीन पर आंख से जुड

